एकात्म भारत के लिए
सुचेन्द्र मिश्रा द्वारा प्रकाशित

एकात्म भारत

@EkatmaBharat
दैनिक एकात्म भारत

मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष, षष्ठी,
मंगलवार विक्रम संवत् 2076

जो एकात्म है वही भारत है

17 दिसंबर 2019, इंदौर

e-paper : www.ekatmabharat.com

अयोध्या और दौसा मे एबीवीपी का प्रांतीय अधिवेशन

अयोध्या/दौसा

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का प्रांतीय अधिवेशन अयोध्या में चार, पांच व छह जनवरी को आयोजित होगा। अयोध्या महानगर में स्थित केटी पब्लिक स्कूल में इसका आयोजन होगा। इसकी तैयारी शुरू हो गई है। महानगर मंत्री आशुतोष पांडेय ने बताया कि तीन दिवसीय अधिवेशन में 17 सौ से अधिक कार्यकर्ता हिस्सा लेंगे।

महानगर अध्यक्ष डॉ. मोनिका परमार ने बताया कि अधिवेशन में मुख्य रूप से अयोध्या की सभ्यता संस्कृति की ऐतिहासिक प्रदर्शनी लगाई जाएगी। विभाग संगठन मंत्री अभिलाष ने बताया कि आयोजन की जानकारी से कार्यकर्ताओं में उल्लास है। नगर मंत्री पंकज चतुर्वेदी ने बताया कि एबीवीपी जयपुर प्रांत का 55वां प्रांत अधिवेशन 24 दिसंबर से अलवर जिले में होगा। अधिवेशन में दौसा के 15 सौ कार्यकर्ता भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि कार्यकर्ताओं के अधिवेशन में पहुंचने के लिए पदाधिकारियों को जिम्मेदारी दी गई है। पोस्टर विमोचन के दौरान जिला संगठन मंत्री मनीष शर्मा, अभय डोई, छात्रसंघ अध्यक्ष दिलीप मीणा, अभिषेक करेल, कमलेश मीणा, पुखराज चतुर्वेदी, आशीष तिवाड़ी, महेंद्र सैनी, सचिन हरियाणा, आकाश तिवाड़ी, नवल व्यास, पायल शर्मा, दीक्षा शर्मा, अंजलि शर्मा, आयुषी शर्मा, आचु सैन, कीर्ति वर्मा, उपेंद्र दत्तात्रेय थे।

इन संगठनों ने सुलगाई है आंदोलन की चिंगारी : खुफिया रिपोर्ट

रिपोर्ट में कुछ राजनीतिक दलों के साथ ही प्रतिबंधित संगठनों सिमी और पीएफआई पर संदेह

नई दिल्ली

नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएबी) के विरोध में देश में विभिन्न स्थानों पर चल रहे हिंसक प्रदर्शनों के बीच गृह मंत्रालय के साथ साझा की गई ताजा खुफिया रिपोर्ट में कुछ राजनीतिक दलों के साथ ही प्रतिबंधित चरमपंथी और आतंकवादी इस्लामी कट्टरपंथी संगठनों सिमी और पीएफआई पर संदेह जाहिर किया गया है। सूत्रों का कहना है कि पिछले हफ्ते मंत्रालय के साथ साझा की गई रिपोर्ट में कहा गया है कि यह उन लोगों की करतूत है, जो सरकार के कदम के खिलाफ हैं। मंत्रालय के सूत्रों ने कहा, "कुछ राजनीतिक दलों ने विभिन्न स्थानों पर हिंसक कृत्यों को प्रज्वलित किया, जिससे चरमपंथी और उग्रवादी इस्लामी कट्टरपंथी संगठनों पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया और इस्लामिक स्टूडेंट मूवमेंट ऑफ इंडिया के स्लीपर सेल को अवसर मिला। रिपोर्ट में कहा गया है कि पीएफआई, जो खुद को न्याय, स्वतंत्रता और सुरक्षा सुनिश्चित करने व लोगों को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध होने का दावा करता है, उसके पास राष्ट्रीय महिला मोर्चा और कैंपस फ्रंट ऑफ इंडिया सहित विभिन्न विंग हैं, जो स्थिति का लाभ उठा सकते हैं। पीएफआई के चलते ही एक वर्ग के शिक्षण संस्थानों में इसका विरोध अधिक देखने में आ रहा है। सरकार से जुड़े कुछ अन्य व्यक्तियों ने भी इसी तरह की आशंका जताई है।

छात्र आंदोलनों में घुसे'जिहादी, माओवादी और अलगाववादी' - निर्मला सीतारमन

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को आगाह किया कि छात्र आंदोलनों में 'जिहादी, माओवादी और अलगाववादी' घुस रहे हैं। उन्होंने कहा कि देशभर में चल रहे प्रदर्शनों से आर्थिक एजेंडा बेपटरी नहीं होगा।

सीतारमण ने यह टिप्पणी संशोधित नागरिकता कानून के विरोध में बीते कुछ दिनों से देशभर के कई विश्वविद्यालयों में जारी प्रदर्शनों की पृष्ठभूमि में की। उन्होंने विश्वविद्यालयों में माओवादी या अलगाववादी प्रवृत्ति वाले 'बाहरी समूहों' का समर्थन करने पर कांग्रेस पार्टी को 'पथभ्रष्ट' कहते हुए निशाना साधा। सीतारमण ने कहा कि जिस पार्टी ने भारत को आजादी दिलवाने में मदद की उसे स्वतंत्रता के बाद ही खत्म कर देना चाहिए था क्योंकि उसके एजेंडा में 'राष्ट्र निर्माण' नहीं है और यह एक परिवार की दास बनकर रह गई है। एक राजनीतिक दल होने के नाते हम ऐसे छात्र आंदोलनों को बढ़ावा नहीं दें जो देश के खिलाफ हैं। छात्र आंदोलन या प्रदर्शन एक चीज है लेकिन इनमें जिहादियों, माओवादियों या अलगाववादियों का मिल जाना एक अलग बात है। और हमें इससे सतर्क रहना चाहिए।'

अयोध्या में चार महीने में बन जाएगा आसमान छूता राम मंदिर

अमित शाह ने झारखंड के पाकुड़ में की रैलीशाह ने बताया राम मंदिर निर्माण का समय

पाकुड़ (झारखंड)

झारखंड के पाकुड़ में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह एक जनसभा को संबोधित करने पहुंचे थे। यहां पर उन्होंने कांग्रेस पर हमला करते हुए अयोध्या में भगवान राम के भव्य मंदिर के निर्माण की अवधि भी तय कर दी। अमित शाह ने कहा कि चार महीनों के अंदर आसमान को छूता हुआ भव्य राम मंदिर अयोध्या में बनने जा रहा है।

मित शाह ने कहा, 'अभी-अभी सुप्रीम कोर्ट ने अयोध्या के लिए फैसला दिया। सौ वर्षों से दुनियाभर के भारतीयों की मांग थी कि अयोध्या में भव्य राम मंदिर बनना

चाहिए। अब भव्य राम मंदिर अयोध्या में बनने जा रहा है। यह कांग्रेस पार्टी न तो विकास कर सकती है, न देश को सुरक्षित कर सकती है, न देश को सुरक्षित कर सकती है, न देशी की जनता की जनभावनाओं को सम्मान कर सकती है।' इसके अलावा रैली में अमित शाह ने कहा कि ये भूमि वीरों की भूमि है और सबसे पहले अंग्रेजों को देश छोड़ने की किसी ने चेतावनी दी तो इसी भूमि ने दी थी। उन्होंने कहा कि संथाल हूल की लड़ाई में अंग्रेजों से लड़ते-लड़ते यहां के आदिवासियों ने बलिदान दिया और अंग्रजों के दांत खट्टे करने का काम किया। साथ ही उन्होंने मीर जाफर के कृत्यों को उजागर करते हुए कहा कि उसके जैसा कोई प्रतिनिधि चुनकर न आ जाए।

अमित शाह ने मुख्यमंत्री रघुवर दास की सरकार करते हुए कहा कि झारखंड में जबरन धर्म परिवर्तन बड़ा मुद्दा था और बीजेपी की सरकार आने के बाद रघुबर दास ने जबरन धर्मांतरण को बंद करके आदिवासियों की सहायता करने का काम किया है।

अटल ने बनाया और मोदी ने किया विकास'

अमित शाह ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा, 'वर्षों तक झारखंड के युवा लड़ते रहे लेकिन जबतक कांग्रेस का शासन रहा तबतक झारखंड की रचना नहीं हुई। जब केंद्र में अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार आई तो उन्होंने झारखंड का निर्माण किया। अटल बिहारी वाजपेयी ने झारखंड को बनाया है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने झारखंड को संवारने का काम किया।